कुछ ऐसी कार्यवाही करेंगे, जो उनके लिए सुरक्षित माहौल पैदा नहीं करेंगे। लंदन में उन्होंने भारतीय संस्कृति के लिए आर्ट गैलरी बनाने का काम किया है। आज अगर घर-घर में भगवान गणेशी के चित्र और प्रतिमाएं हैं, तो इसमें एम.एफ. हुसैन का बहुत बड़ा योगदान है। कोर्ट से निर्णय जाने के बावजूद भी, उनके देश में लौटने के बारे में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। मेरा सरकार से यह अनुरोध है कि एक ऐसा सुरक्षित माहौल बनाया जाए, ताकि उनकी यहां सकुशल और सुरक्षित वापसी हो सके। इसके साथ ही उनको फंडामेंटलिस्ट फोर्सेज़ से या ऐसे तत्वों से किसी किस्म का डर न रहे, जो उन्हें तंग करना चाहते हैं।....(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record. ..*(Interruptions)*.. He is asking the Government, not to you.

Ragging in Kirori Mal College, Delhi

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Sir, it is very sad that a young student, namely, Ashutosh, who was admitted in Kirori Mal College, Delhi, itself —he was a fresher — was called by his two seniors, Hani Mohammad of B. Sc. (Physical Science) and Akshay Chaudhary of B. Sc. (Computer Science) in their room and ragged him at 7.30 p.m., yesterday. He informed the Warden, and he, in turn, informed the Principal. Sir, under the law, the Principal was obliged to inform the Police immediately. But, so far, no information has been received by the Police authorities, particularly, the police authorities of the North District. The local police authorities also said that there was no information about the incident. Sir, if, despite our passing the law, despite the assurance given by the Minister, such things are happening in Delhi itself, then, it is a very serious matter. It should be taken care of. I will request the Government of India to look into it seriously.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, there are seven notices on the issue of Bundelkhand in the Zero Hour. I am allowing one Member from the Party and two other Members. This matter relates to two States; one is Madhya Pradesh, and the other is Uttar Pradesh. So, three Members will be participating and the rest will associate themselves with it. Shri Satish Chandra Misra.

Reported constitution of Bundelkhand Development Authority

श्री सतीश चन्द्र मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, बुंदेलखंड का कुछ एरिया उत्तर प्रदेश में और कुछ एरिया मध्य प्रदेश में है। बुंदेलखंड का जो क्षेत्र उत्तर प्रदेश का है, वह ऐसा क्षेत्र है, जहां पर पिछले 60 वर्षों में काफी अनदेखी की गई है। एक तो उसका क्षेत्र ही ऐसा है, जो सूखे से ग्रस्त है, दूसरे वहां अन्य कई प्रकार की परेशानियां हैं। पिछली सरकारों ने उस क्षेत्र की काफी अनदेखी की है। इसी वजह से आज उसकी ऐसी स्थिति हो गई है कि वहां जमीन के अंदर से पत्थर निकल रहा है। पहले जिस जमीन पर खेती होती थी, आज वह जमीन पलटकर पत्थर में बदल गई है। जब से उत्तर प्रदेश में पिछली सरकार बनी है, वह सन् 2007 से बहुमत में है, उत्तर प्रदेश की माननीय मुख्य मंत्री जी ने माननीय प्रधान मंत्री से personally मिलकर एक पत्र दिया और कहा कि बुंदलेखंड की ये समस्याएं हैं। उन्होंने पूरे उत्तर प्रदेश के लिए 80 हजार करोड़ रुपाए का पैकेज मांगा और बुंदेलखंड के लिए अलग से 9 हजार करोड़ प्लस कुछ रुपयों का एक पैकेज मांगा तथा एक-एक चीज का खुलासा किया गया कि इसकी किस लिए आवश्यकता है। यह request करने के बाद reminders दिए गए। ये reminders हर साल दिए गए, पिछले साल दिए गए, 2007 में दिए गए, 2008 और 2009 में दिए

गए। सन् 2009 में जून में और जुलाई में तो केन्द्र से पत्र लिखकर मांग भी की गई कि आप फंड रिलीज करें, ताकि बुंदलेखंड का development हो सके। यह भी मांग की गई कि जैसे रायबरेली और अमेठी में आठ-दस बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स लगे हुए हैं, ऐसे ही यहां भी लगाए जाएं। हमने यह भी कहा कि हमें बहुत खुशी है कि आप उत्तर प्रदेश के अमेठी और रायबरेली में नए प्रोजेक्ट्स लगा रहे हैं। इसी प्रकार से रेल कोच फैक्ट्री है, बिजली के उत्पादन के लिए है, पैट्रोलियम प्रोजेक्ट्स हैं, निट का है, जो भी प्रोजेक्ट्स रायबरेली में लाए हैं, आप इसी तरह से प्रोजेक्ट्स बुंदेलखंड में भी लगायें, ताकि वहां का विकास हो सके और वहां के लोगों को पलायन भी न करना पड़े। अगर वहां के लोग खेती नहीं कर पा रहे हैं, तो इन प्रोजेक्ट्स की वजह से वे अपना काम कर सकेंगे। यह फैडरल स्ट्रक्चर की बात है, इसलिए मैं यह कह रहा हूं कि उत्तर प्रदेश में पूरे कंट्री की 1/6th population रहती है, यह सबसे बड़ा क्षेत्र है और करीब 20 करोड़ लोग जहां पर रह रहे हैं, वहां से जो टैक्स क्लैशन होता है, वह नाम मात्र टैक्स के रूप में वापस मिलता है, जो उत्तर प्रदेश को केन्द्र सरकार देती है उसके बावजूद भी जो रुपया अगर इन्होंने दिया तो उत्तर प्रदेश की सरकार ने अपने और विकासों को रोक कर अपने खर्चे में से बुंदेलखंड को स्पेशल पैकेज दिया। जब केन्द्र सरकर से इसकी मांग की गई, तो इसको दो साल तक नहीं दिया और इसी तरह से मध्य प्रदेश को भी न देकर, एक प्रकार से संघीय ढांचे पर हमला बोल दिया और संघीय ढांचे पर हमला बोलने का तरीका यह निकाला कि स्कीम्स के लिए जितने भी फंड्स हम से लेते हैं, सेंट्रल गवर्नमेंट जितनी भी स्कीम्स बनाकर भेजती है, वह कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष या प्रधानमंत्री रहे हैं, उनके नाम से भेजकर, सेंटर से पैसा देकर वहां पर पोलिटिक्स करने की कोशिश की जाती है। ...(**समय की घंटी**)... उपसभापति जी, यह बहुत महत्पूर्ण सब्जेक्ट है, आप इस पर बोलने के लिए हमें दो मिनट का समय और दीजिए। उसके माध्यम से जितनी भी स्कीम्स चलाई जाती हैं, जिस नाम की भी स्कीम ले लीजिए, चाहे जवाहर लाल नेहरु योजना ले लीजिए या कुछ और ले लीजिए, वे सब की सब जो कांग्रेस के पूर्व प्राइम मिनिस्टर रह चुके हैं, ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर हैं या अध्यक्ष हैं..(**व्यवधान**)..

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): What is wrong with that? ...*(Interruptions)*...

श्री सतीश चन्द्र मिश्र : उनके नाम से भेजकर, वहां पर पोलिटिक्स करके दिखाया जाता है कि उत्तर प्रदेश की सरकार कुछ नहीं कर रही है, हम आपके लिए कर रहे हैं। जब हम उनसे रुपया मांगते हैं, उत्तर प्रदेश सरकार उनसे रुपया मांगती है तो एक नया पैसा नहीं दिया जाता है। रुपया न देकर, वहां की स्थिति ऐसी खराब कर दी है कि अब आप कहते हैं कि संघीय ढांचा बदलकर ...(**समय की घंटी**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : उपसभापति ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : हो गया...(**व्यवधान**)...हो गया है...(**व्यवधान**)...आपके लीडर बोल रहे हैं ..(**व्यवधान**)..आप खामोश हो जाइए...(**व्यवधान**)...

श्री सतीश चन्द्र मिश्र : मैंने अभी आपसे रिक्वेस्ट की थी, आपसे दो मिनट का समय मांगा था, आपने परमिट कर दिया था...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : हो गया है।

श्री सतीश चन्द्र मिश्र : संघीय ढांचे पर हमला बोलते हुए, माननीय मंत्री जी कहते हैं, श्रीप्रकाश जायसवाल जी स्टेटमेंट देते हैं कि अगर संघीय ढांचे का उल्लंघन भी होगा तो हम, केंद्र उसे करने के लिए तैयार है। इससे ज्यादा फेडरल स्ट्रक्चर पर हमला क्या हो सकता है...(**व्यवधान**)...इस पर ये स्टेटमेंट देते हैं, कहते हैं कि हम संघीय ढांचे का उल्लंघन करने के लिए तैयार हैं...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : उसका क्लैरिफिकेशन हो गया है..(**व्यवधान**).. Now, Mr. Prabhat Jha. ...*(Interruptions)*...

श्री सतीश चन्द्र मिश्र : जिस स्टेट में आपकी सरकार नहीं है, उन स्टेट्स को ...(**व्यवधान**)... करने का तरीका अगर यह बनाते हैं ...(**व्यवधान**)... आप आर्टिकल 356 का इस्तेमाल नहीं कर सकते ...(**व्यवधान**)... गलत तरीके से ...(**व्यवधान**)... तो आप यह तरीका मत निकालिए। This is not permissible. यह एक बहुत ही सीरियस विषय है ...(**व्यवधान**)... इनसे हाथ जोड़कर ...(**व्यवधान**)... इस पर खास करके ...(**व्यवधान**)... वहां का ..(**व्यवधान**).. बुंदेलखंड का...(**व्यवधान**)... जो कैरेक्टर है ...(**व्यवधान**)... उसको देखते हुए ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश) : मेरा समय जा रहा है...(**व्यवधान**)...

श्री सतीश चन्द्र मिश्र : यह डिमांड है कि ...(**व्यवधान**)... न देकर के बुंदेलखंड चाहे वह मध्य प्रदेश का एरिया हो..(व्यवधान)..चाहे उत्तर प्रदेश का एरिया हो...(**व्यवधान**)...*

श्री उपसभापति : हो गया है। अब रिकॉर्ड नहीं हो रहा है।

श्री सतीश चन्द्र मिश्र : *

DR. AKHILESH DAS GUPTA (Uttar Pradesh): Sir, I would like to associate myself with it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Prabhat Jha.

श्री प्रभात झा : उपसभापति जी, राज्य सभा में मध्य प्रदेश के जो सांसद है, माया सिंह जी, रघुनंदन शर्मा जी, विक्रम वर्मा जी, सुश्री अनुसुइया उइके और नारायण सिंह केसरी जी की ओर से सबकी भावना, मध्य प्रदेश की भावना और वहां की सरकार की भावना को लेकर कुछ बातें यहां रखना चाह रहा हूं। सबसे पहले तो मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को इस सदन में उनकी सरकार को बधाई देनी चाहिए कि हमने दो साल पहले वहां पर बुन्देलखण्ड विकास प्राधिकरण बना दिया था। दो साल पहले प्राधिकरण को मदद न करने की बजाय एक नया सेंट्रल प्राधिकरण इम्पोज करने की राजनीतिक हरकत, जो संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाती है, पूरी तरह से कांस्टीट्यूशन के खिलाफ है। मुझे लगता है कि यह कहना एक नादानी भरा बयान था। ऐसा नहीं करना चाहिए और न ही हम ऐसा होने देंगे। जहां तक पैसे की बात है, पिछली बार जब बुन्देलखण्ड में सूखा पड़ा था तो मध्य प्रदेश सरकार ने पांच सौ करोड़ रुपए लगाए थे, सेंट्रल गवर्नमेंट ने हमें सूखे में एक रुपया नहीं दिया। ...(**व्यवधान**)... एक रुपया भी नहीं दिया और उल्टे धमकी दी गई। राजनीति इतनी ओछी हो जाएगी कि हम संघीय ढांचे की चिंता नहीं करेंगे, हम मदद की चिंता नहीं करेंगे, तो मुझे लगता है कि आजादी के बासठ साल बाद इतनी ओछी राजनीति नहीं होनी चाहिए। क्षेत्र का विकास पहले होना चाहिए। विकास के लिए हमने केंद्र सरकार से 2600 करोड़ रुपए की मांग की है, लेकिन एक पैसा नहीं दे रहे हैं। वहां पर इस बार भी सूखा है। राजनीति शब्दों से नहीं होती है, राजनीति चरित्र और आचरण से की जाती है। आप संघीय ढांचे की हिफाजत कीजिए। आपने चाहे जो बयान दे दिया, कुछ भी कह दिया, लेकिन आपके बयान से लोगों की भावनाएं भड़कती है। लोग वहां पर अन्य काम करने लगेंगे। आप वहां पर अपना भविष्य देखने के लिए जाते हैं। मुझे जानकारी है कि *बुंदेलखंड क्यों जाते हैं..(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : उनका नाम मत लीजिए I He is not a Member of this House. ...*(Interruptions)*... Please don't take his name. ...*(Interruptions)*... Please don't take his name. ...*(Interruptions)*... You are not supposed to take the name of a Member who is not here. ...*(Interruptions)*...

---

*Not recorded.

श्री प्रभात झा : उपसभापति महोदय जी, वहां के लोगों को विकास के लिए ..(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : नाम निकाल दीजिए..(**व्यवधान**).. I have removed the name. ...*(Interruptions)*... I have removed the name. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रभात झा : मैं नाम वापस लेता हूं।...(**व्यवधान**)... मैं नाम वापस लेता हूं, लेकिन इससे वहां के करोड़ों लोगों की भावनाओं को जो चोट पहुंचाई गई है, जो भावनाएं भड़काई जाती हैं, वास्तव में हमारी आजादी के बासठ वर्षों के बाद, इस तरह की राजनीति नहीं करनी चाहिए। आप आइए, विकास में हाथ मिलाइए। आप मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी से मिलने क्यों नहीं गए? आपने वहां क्यों नहीं कहा कि इस तरह के काम होने चाहिए? आप ओछी राजनीतिक हरकतें करते है और इन ओछी राजनीतिक हरकतों का जनता समय आने पर जवाब देगी ..(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : श्री कलराज मिश्र।

श्री उपसभापति : एक मिनट नहीं हो सकता ... (**व्यवधान**) ... बिल्कुल नहीं ... (**व्यवधान**) ... यह ठीक नहीं है ... (**व्यवधान**) ... Shri Kalraj Mishra. *(Interruptions)* Nothing will go on record if Members other than whom I have called speak. *(Interruptions)* It has nothing to do with... *(Interruptions)*.

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, बुंदेलखंड उत्तर प्रदेश का बड़ा पिछड़ा इलाका है। बुंदेलखंड पर जो विवाद प्रारम्भ हो गया है, वह केवल इस कारण प्रारम्भ हुआ कि सत्तारूढ़ दल के एक प्रमुख नेता के द्वारा यह कहा गया कि मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड, दोनों को मिला कर यह विकास प्राधिकरण बनना चाहिए और केन्द्रीय स्तर पर बनना चाहिए। इसके कारण यह विवाद खड़ा हुआ है। इसलिए ऐसा लगा कि यह तो जान-बूझ कर संवैधानिक मर्यादाओं का भी उल्लंघन किया जा रहा है। इसलिए हमने यह कहा कि यह तो सीधे-सीधे संघीय ढाँचे का उल्लंघन है। इसी बात को ध्यान में रख कर शून्य प्रहर में बोलने के लिए आपको नोटिस दी गई। इसको हमने बड़ा गम्भीर माना, क्योंकि बुंदेलखंड इतना पिछड़ा है कि उस पिछड़ेपन को दूर करने के लिए जिस गम्भीरता से विचार करके केन्द्र की तरफ से काम करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। उल्टे बुंदेलखंड के प्रश्न को लेकर राजनीति की जा रही है। इसके कारण यह नोटिस दी गई है। इसके कारण इसकी गम्भीरता को सदन के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है और इसलिए आग्रह किया गया था कि प्रश्न प्रहर बन्द करके इस पर चर्चा कराइए। मान्यवर, मध्य प्रदेश के बारे में श्रीमान् प्रभात झा जी ने बताया कि वहाँ विकास प्राधिकरण बना हुआ है, वह स्वायत्तशासी है और वे प्रयत्न कर रहे हैं कि बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण बना कर उसके माध्यम से योजना बनाते हुए आम आदमी को राहत प्रदान करने के लिए, पानी की व्यवस्था, खेती की व्यवस्था, हर चीज की व्यवस्था की दृष्टि से प्रयत्न किया जाए और उसके लिए अलग से केन्द्र से सहयोग प्राप्त करके, उसका कैसा विकास हो सकता है, इसके लिए प्रयत्न किया जाए। मध्य प्रदेश ने उसके लिए एक पैकेज भी मांगा, जिसको हमारे श्रीमान् प्रभात झा जी ने यहाँ रखा है। इस बार वहाँ सूखा भी पड़ा है। उत्तर प्रदेश में भी, जैसा हमारे सतीश जी ने बताया, हमारी भी सरकार थी, तो हम लोगों ने बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण बनाया था। बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण बना है। हमारे यहाँ पूर्वांचल विकास प्राधिकरण, बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण है। बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण बना कर वहाँ जो संसाधन हैं, उन संसाधनों में से हम वहाँ सर्वाधिक धन का व्यय भी करते हैं। उसके आधार पर बुंदेलखंड की उन्नति कैसे हो, इसके लिए हम प्रयत्नशील भी रहते हैं। जब लगातार यह लगा कि वहाँ किसान आत्महत्या कर रहा है, वहाँ किसान प्रताड़ित हो रहा है, वहाँ किसान भुखमरी का शिकार हो रहा है,

उत्पादन ठीक से नहीं हो रहा है और वहाँ उद्योगों का जैसा विकास होना चाहिए था, नहीं हो पा रहा है, तो उत्तर प्रदेश सरकार ने केन्द्र से एक पैकेज की मांग की कि इतना पैकेज भेजिए (**समय की घंटी**) ...(**व्यवधान**)...

श्री गंगा चरण (उत्तर प्रदेश) : सर, ... (**व्यवधान**) ...

श्री उपसभापति : आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... देखिए, हमने आपके लीडर को बुलाया है ...(**व्यवधान**)... नोटिस है, लेकिन एक सब्जेक्ट पर एक ही आदमी को बोलना है। आप associate कीजिए।

श्री कलराज मिश्र : लेकिन वह पैकेज नहीं भेजा जा रहा है और उस पर राजनीति करने की कोशिश की गई। मान्यवर, उस पर राजनीति करने की कोशिश की गई है। भूख पर, गरीबी पर, पिछड़ेपन पर राजनीति की जा रही है। विदर्भ की कलावती का नाम जरूर लिया गया, लेकिन कलावती की क्या हालत बन रही है, इसको देखने के लिए कोई तैयार नहीं है। बुंदेलखंड के ऊपर राजनीति की जा रही है। (**समय की घंटी**) बुंदेलखंड की क्या हालत है, इसके ऊपर विचार करके धन कैसे लगाया जाए ...(**व्यवधान**)... मान्यवर, मैं यही चाहता हूँ कि इस पैकेज को स्वीकार किया जाए।

श्री रुद्रनारायण पाणि : महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री जय प्रकाश नारायण सिंह (झारखंड) : महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Tiruchi Siva. ...*(Interruptions)* ...

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, I would like to raise one point; I have a request to make. While associating myself with the issue, I would like to say that there are similar problems in other States and there are other issues also. I would request the Chair to kindly allow a full-fledged discussion on this issue.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You may give a notice; it would be examined.

SHRI SITARAM YECHURY: There is a problem there like in Bundelkhand. ...*(Interruptions)*... Sir, we must have a larger discussion.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You may give notice. Now, Shri Tiruchi Siva.

Attacks on Indian fishermen at Rameshwaram by Sri Lankan Navy

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, with much agony and anguish, I am bringing in another SOS about fishermen in Tamil Nadu, who were brutally attacked by the Sri Lankan Navy. Sir, yesterday, when the fisherman of Rameshwaram were out for fishing in the Indian waters, the Sri Lankan Navy brutally attacked them, damaged their boats, arrested some of them and seized their fishing nets and other appliances worth Rs. 36 lakhs. Sir, this is not the first incident of this kind. ...*(Interruptions)*...

श्री गंगा चरण (उत्तर प्रदेश) : सर, अभी बुंदेलखंड का मैटर खत्म नहीं हुआ है।

श्री उपसभापति: अरे भई, खत्म हो गया है ...(**व्यवधान**)... अरे, खत्म हो गया है ...(**व्यवधान**)... यह क्या है? ...(**व्यवधान**)... I have called another Member. बिल्कुल नहीं ...(**व्यवधान**)... आप लीडर हैं, आप अपने मैम्बर्स को बोलिए ...(**व्यवधान**)...।